जॉयफुल लर्निंग

मूलभूत दक्षता उन्नयन हेतु आनंददायी अधिगम

जॉयफुल लर्निंग संकल्पना

NCF 2005 व RTE के अनुसार बच्चों का शिक्षण बाल केन्द्रित होना चाहिए। अतः बालक की योग्यता क्षमता व रूचि के अनुसार शिक्षण किया जाना चाहिए। शिक्षण के लिए बच्चा नही है, वरन् बच्चे के लिए शिक्षण है। बच्चा स्वयं खेल-खेल में सीख सके। सीखने की प्रक्रिया रूचिकर एवं आनंददायी वातावरण में होना चाहिए।

बालक का सर्वांगीण विकास ही शिक्षा की महत्वपूर्ण धुरी है। राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल का यह निरंतर प्रयास रहा है कि, बच्चा पुस्तक एवं बस्ते से बाहर निकलकर अपने दैनिक जीवन में व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त कर सके।

जॉयफुल लर्निंग कार्यक्रम सत्र 2018-19 से प्रारम्भ किया गया। इसके अंतर्गत कक्षा एक से आठ तक के बच्चों को आनंददायी वातावरण में सीखने हेतु प्रेरित करने के लिए जॉयफुल लर्निंग कार्यक्रम शुरू किया गया।

''विद्यालय में विद्यार्थियों की शत प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के उददेश्य से, विद्यालय में भयमुक्त एवं आनंददायी वातावरण में जॉयफुल लर्निंग की गतिविधियाँ, कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए सत्र के आरम्भिक मास में की जाती हैं। जिसमें बिना पुस्तक एवं बस्ते के शिक्षण गतिविधियाँ खेल-खेल में की जाती हैं एवं विद्यार्थियों को खेल-कूद, चित्रकारी आदि के किए स्केच पेन, ड्राइंग शीट एवं खेल सामग्री प्रदाय की जाती है। इस दौरान खेल-खेल में ही भाषा एवं गणित की दक्षता का उन्नयन किया जाता है।''

जॉयफुल लर्निंग के उद्देश्यः-

- आनंददायी वातावरण में बच्चों का दक्षता संवर्धन।
- बच्चे खेल-खेल में आनंद की अनुभूति कर छोटे-बड़े समूह में काम कर सकेंगे।
- ड्राइंग, पेंटिंग, क्ले (मिट्टी) आदि के द्वारा विभिन्न कला को सीख सकेंगे।
- बच्चों के मनोवैज्ञानिक कौशल का विकास एवं उन्हें सृजनात्मक अभिव्यक्ति के अवसर।
- बच्चों में सहकार्य की आदतों का विकास।

शाला स्तर पर कार्यक्रम क्रियान्वयन
विशेष बाल सभा का आयोजन

- 1 अप्रैल 2019 को प्रत्येक विद्यालय में अनिवार्यतः विशेष बालसभा का आयोजन।
- विशेष बालसभा में विद्यार्थियों के पालकों को भी आमंत्रण।
- जॉयफुल लर्निंग के अतंर्गत की जाने वाली सम्पूर्ण गतिविधियों से पालकों को अवगत कराया जाना।
- पालकों के सामने बच्चों द्वारा भाषा पुस्तक पढ़कर और गणित के आंकिक प्रश्न हल की प्रस्तुतियां।
- विशेष बालसभा में बच्चों द्वारा तैयार सहशैक्षणिक गतिविधियों का प्रस्तुतीकरण।

सामग्री की उपलब्धता

- जायफुल लर्निंग के लिए जिलें में पूर्व से ही उपलब्ध ई कंटेंट (सामग्री) का उपयोग।
- विमर्श पोर्टल (PLC) पर उपलब्ध, जॉयफुल लर्निंग का ई-कंटेंट, शिक्षकों के पास उपलब्ध SD कार्ड में अपलोड किया गया।
- विद्यालय में खेल (Indoor and Outdoor Games) गतिविधियों हेतु सामग्री की व्यवस्था सुनिश्चित की गई।

जॉयफुल लर्निंग किट

जॉयफुल लर्निंग किट में स्केच पेन, खाली पेपर शीट, रंगीन पेपर व गोंद आदि सामग्री की व्यवस्था, दर्ज बच्चों की संख्या के मान से की गई।

जॉयफुल लर्निंग का क्रियान्वयन

- बिना बस्ते के विद्यार्थियों को विद्यालय में आना ।
- पूर्वाहन में भाषा एवं गणित की दक्षता विकास के लिए गतिविधियाँ/खेल का आयोजन ।
- अपराहन में दक्षता उन्नयन अभ्यास पुस्तिका में विद्यार्थियों को अभ्यास के अवसर।
- शिक्षकों द्वारा अभ्यास कार्य की नियमित जाँच।
- प्रतिदिन अनिवार्य रूप से विद्यालय में खेल (Indoor and Outdoor Games) गतिविधियाँ।

जिलों को दिये गये दिशा निर्देश

- गतिविधि के उद्देश्य को ध्यान में रखें।
- पुस्तकों का चयन गतिविधि के अनुसार करें।
- बच्चों के छोटे-बड़े समूह बनाने का कार्य भी गतिविधि के अनुसार करें।
- सभी कक्षाओं के सभी स्तर के बच्चे सम्मिलित करते हुए मिश्रित समूह बनाएँ।
- गतिविधि की प्रक्रिया प्रतियोगात्मक न हो।
- शिक्षक बच्चों को स्वयं सीखने के लिए प्रोत्साहित करें।
- शिक्षक की भूमिका सहयोगी और बच्चों को परस्पर सीखने को बढ़ावा देनेवाली हो।
- गतिविधियों में विद्यालय एवं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध शिक्षण सहायक सामग्री का उपयोग अनिवार्यतः करें।
- गतिविधि के अंत में या बीच-बीच में बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए ताली बजवाएँ।
- कक्षा स्तर अनुरूप दक्षता का प्रदर्शन नही करने वाले विद्यार्थियों को गतिविधियों एवं अभिव्यक्ति के लिए प्रमुखता से अवसर दिया जाए
- बच्चों की पढ़ने) सुनने और समझने की क्षमता पर नकारात्मक टिप्पणी न करें।
  गतिविधि में शिक्षक स्वयं भी आनंद लें।
- वर्णमाला, बारहखड़ी, गिनती एवं पहाड़े का मौखिक अभ्यास विद्यार्थियों की आवश्यकतानुसार प्रतिदिन कराएँ।
- विद्यालय में संधारित दक्षता उन्नयन अभ्यास पुस्तिका में विद्यार्थियों को अभ्यास के पर्याप्त अवसर दिए जाए तथा नियमित जाच कर आवश्यक सुधार कर विद्यार्थियों को प्रेरित करें।
- जिला स्तर/ब्लाक स्तर से भाषा एवं गणित की प्रतिदिन की जाने वाली जॉयफुल लर्निंग की गतिविधियाँ वाट्सएप के माध्यम से एक दिन पूर्व सभी ब्।ब् तथा शिक्षकों को उपलब्ध कराई जाए।
- विमर्श पोर्टल पर जायफुल लर्निंग का ई-कंटेंट तथा मेन्यूल दिया गया है।
- कक्षा 5 एवं 8 के विद्यार्थियों में मूलभूत दक्षता का विकास सुनिश्चित किया जाए।

मानिटरिंग

- जॉयफुल लर्निंग अंतर्गत जिला स्तर से प्रभावी मॉनिटरिंग की व्यवस्था सुनिश्चित की गई।
- जॉयफुल लर्निंग गतिविधियों के प्रभावी आयोजन को दृष्टिगत रखते हुए प्रत्येक विद्यालय का सप्ताह में ब्।ब् द्वारा कम से कम दो बार अनुवर्तन सुनिश्चित किया गया तथा शिक्षकों को गतिविधियों के संचालन में सहयोग प्रदान करने हेतु निर्देश दिए गए।
- भाषा एवं गणित की दक्षता उन्नयन अभ्यास पुस्तिका (जो विद्यालय स्तर पर संधारित हो) में कार्य कराया जाना सुनिश्चित किया गया एवं शिक्षकों द्वारा अभ्यास कार्य का परीक्षण कर सुधार की प्रक्रिया सुनिश्चित की गई।

ms gudariya